अध्याय – 05 | कबीर के दोहे

QUIZ PART-05

1. "गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय" दोहे में कबीर किसकी महत्ता को सर्वोपरि बताते हैं?
   A. तपस्या B. श्रद्धा
   C. गुरु की महत्ता D. भक्त की सेवा (C)

व्याख्या : इस दोहे में कबीर गुरु को गोविंद (ईश्वर) से भी ऊपर बताते हैं, क्योंकि गुरु ही गोविंद का रास्ता दिखाते हैं।

2. "सांच बराबर तप नहीं, झूठ बराबर पाप" – इस दोहे में क्या संदेश दिया गया है?
   A. झूठ और सत्य समान हैं B. सत्य पालन कठिन है
   C. हृदय में सत्य ही गुरु होता है
   D. तपस्या झूठ से श्रेष्ठ है (C)

व्याख्या : कबीर के अनुसार जिसके हृदय में सत्य होता है, उसके लिए वही गुरु है। वे सत्य को सर्वोपरि मानते हैं।

3. "बड़ा हुआ तो क्या हुआ, जैसे पेड़ खजूर" – इस दोहे में 'खजूर' किसका प्रतीक है?
   A. मीठे फल का
   B. ऊँचाई का बिना उपयोगिता के
   C. बलवान व्यक्ति का D. गरीब का (B)

व्याख्या : खजूर का वृक्ष ऊँचा होता है, लेकिन उसकी छाया नहीं मिलती; इसी प्रकार केवल ऊँचाई (अहंकार) का कोई लाभ नहीं।

4. "ऐसी वाणी बोलिए, मन का आपा खोय" – इस दोहे में कबीर किस प्रकार की वाणी बोलने की बात करते हैं?
   A. अकठोर B. संकोचपूर्ण
   C. संयमित और मधुर D. चुप रहने की (C)

व्याख्या : इस दोहे में मधुर वाणी की बात की गई है जो दूसरों को शीतलता दे और स्वयं भी शीतल बने।

5. "अहित के भला न बोलना, अहित के भला न चुप" – इस दोहे का मुख्य संदेश क्या है?
   A. हमेशा चुप रहना चाहिए
   B. सन्तुलन बनाए रखना चाहिए
   C. मीठी भाषा अपनानी चाहिए
   D. विवादों से दूर रहना चाहिए (B)

व्याख्या : इस दोहे में जीवन में संतुलन बनाए रखने की बात की गई है – न आवश्यकता से अधिक बोलें, न चुप रहें।

6. "निंदक नियरे राखिए, आंगन कुटी छवाय" – इस दोहे में कबीर किस दृष्टिकोण को अपनाने का सुझाव देते हैं?
   A. निंदकों से दूर रहना B. निंदकों की उपेक्षा
   C. निंदकों को नष्ट करना
   D. निंदकों को पास रखना (D)

व्याख्या : कबीर कहते हैं कि निंदा करने वाले व्यक्ति को पास रखें, क्योंकि वे हमारी कमियों को दर्शाकर हमें सुधारने का अवसर देते हैं।

7. "साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय" – यहाँ 'सूप' किस गुण का प्रतीक है?
   A. क्रोध B. पवित्रता
   C. विवेक और भेदभाव की क्षमता D. कठोरता (C)

व्याख्या : सूप अनाज और कचरे को अलग करता है; इसी तरह एक साधु में भी अच्छे-बुरे को समझने की विवेक शक्ति होनी चाहिए।

8. "जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन तैसी" – यह दोहा किस बात की ओर संकेत करता है?
   A. मन की स्थिरता B. संगति का प्रभाव
   C. व्यक्ति की दृष्टिकोण पर अनुभव निर्भर करता है
   D. ईश्वर सुलभ हैं (C)

व्याख्या : यह दोहा बताता है कि व्यक्ति अपने भाव के अनुसार ही प्रभु को अनुभव करता है।

9. "ज्यों ज्यों नाव बढ़े नदी में, त्यों त्यों डूबे पाँव" – इसका भावार्थ क्या है?
   A. नदी में नाव चलाना आसान है
   B. ज्ञान बढ़ने से अहंकार भी बढ़ता है
   C. आध्यात्मिकता सरल है
   D. नाव जीवन का प्रतीक है (B)

व्याख्या : जैसे-जैसे ज्ञान या स्थिति बढ़ती है, वैसे-वैसे अहंकार भी बढ़ने लगता है, जिससे व्यक्ति डूबने लगता है।

10. "जैसी संगति वैसी रंगति" – इस दोहे में किस सिद्धांत को दर्शाया गया है?
   A. मनुष्य की प्रकृति स्थिर होती है
   B. संगति का असर नहीं होता
   C. संगति का असर व्यवहार और परिणाम पर होता है
   D. संगति से केवल व्यवहार बदलता है (C)

व्याख्या : यह दोहा स्पष्ट करता है कि जैसी संगति में व्यक्ति रहता है, वैसा ही उसका व्यवहार और फल होता है।

मिशन ज्ञान जब चाहे, जहाँ चाहे, जैसा चाहे!
100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App